

संदेश

विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून, 2022)

प्रतिवर्ष 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। यह दिन स्टॉकहोम सम्मेलन के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ के तत्वावधान में विश्व भर में 1974 से मनाया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस विश्व में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उसकी सुरक्षा का कार्य करने के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण प्लेटफार्म है। इस वर्ष का थीम "Only One World" (केवल एक दुनिया) है, जिसमें प्रकृति के साथ सामंजस्य रख कर निर्वाह पर जोर दिया गया है।

प्रकृति अत्यधिक कठिन स्थिति में है और समय हाथ से निकल रहा है। इस शताब्दी के दौरान ग्लोबल वार्मिंग 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम रखने के लिए हमें 2030 तक ग्रीन हाऊस गैस का वार्षिक उत्सर्जन निश्चित तौर पर आधा करना होगा। इस दिशा में कोई कार्य नहीं किया गया तो हमें सुरक्षित मापदंड से अधिक वायु प्रदूषण का सामना करना पड़ेगा और इस दशक के भीतर ही वायु प्रदूषण 50% तक बढ़ जाएगा तथा पानी में बहने वाला प्लास्टिक कचरा भी 3 गुना हो जाएगा।

इस दिशा में समुचित नीति बनाकर, प्रकृति के साथ सामंजस्य पूर्ण निर्वाह पद्धति के साथ अधिक स्वच्छ तथा अधिक हरित जीवनशैली अपनाकर क्रांतिकारी परिवर्तन किए जा सकते हैं। मानव जाति का सर्वाधिक महत्वपूर्ण दायित्व है कि वह अपने ग्रह, जो अनादि से अनंत तक हमारा घर है, को सुरक्षित रखे। यह वैश्विक चुनौती भी है।


पृथ्वी के साथ बेहतर सामंजस्य रखकर, उसका महत्व समझकर और उन मूल्यों को आत्मसात करते हुए निर्णय लेकर पृथ्वी के सीमित संसाधनों को सुरक्षित रखा जाना चाहिए। प्रकृति के उपहार अर्थात् वायु, जल, मिट्टी और वृक्षों का मौद्रिक मूल्य नहीं लगाया जा सकता है, इसलिए हमें इन उपहारों को सुरक्षित रखने की दिशा में अपने प्रयासों को बढ़ाना होगा। यह सुखद स्थिति है कि हमारे पास जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को सीमित करने और पर्यावरण के अधोगमन को रोकने के लिए ज्ञान, समाधान और प्रौद्योगिकी उपलब्ध है।

डीएफसीसीआईएल ने अपने निर्माण कार्यकलाप करते हुए अपने ग्रह और इसके असीम उपहारों को सुरक्षित रखने के लिए बड़े पैमाने पर दीर्घकालिक क्रांतिकारी उपाय किए हैं। प्रकृति की सुरक्षा के लिए निरंतर बहुत से उल्लेखनीय पहल किए जा रहे हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आइए, हम शपथ लें कि हम पृथ्वी ग्रह को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे, इसके संवर्धन के लिए कार्य करेंगे, ताकि हमारा यह सुंदर, अनूठा ग्रह, मानव जाति के रहने के लिए सुखकारी बन सके।

"ब्रह्मांड में करोड़ों आकाश गंगा हैं, हमारे आकाश गंगा में करोड़ों ग्रह हैं परंतु पृथ्वी एक ही है।" हमें इसको सुरक्षित रखना चाहिए।

जय हिंद



(आर.के.जैन)